

भारत की सतर्कता

भले ही भारत-पाक के बीच सीजफायर हो गया हो, लेकिन दोनों देशों में अब भी आपसी विश्वास की भारी कमी देखी जा रही है। भारत अपनी तरफ से किसी तरह की कोई फिलाई बरतना नहीं चाहता। तभी तो वह सोमावर्ती राज्यों में मांकड़िल करने जा रहा है। राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, जम्मू के लोगों से सतर्क रहने की अपील की जा रही है। लोगों में युद्ध के समय किसी तरह का बेवजह का तात्पर पैदा न हो। वह अपने आपको बचाने के लिए यह मांकड़िल की जा रही है। गुजरात (आज) को जम्मू-कश्मीर, गुजरात, हरियाणा और राजस्थान में मांकड़िल होगी। जबकि पंजाब में तीन जन्म की यह फिलाई है। मांकड़िल एक तरह की प्रैक्टिस है, जिसमें हम यह देखते हैं कि अगर कोई इमरजेंसी जैसे एपर स्टॉप का बम हमला हो जाए तो आम लोग और प्रशासन कैसे और कितनी जल्दी रिएक्ट करते हैं। इसी तरह ब्लैन्क आउट एक्सरसाइज का मतलब है कि तय समय के लिए पूरे लालों की लाइट बंद कर देना। इसका मतलब यह होता है कि अगर दुरुस्त देश हमला करे, तो लालों को अधेरे में कैसे सुरक्षित रखा जा सकता है। सात मई को देश के 44 शहरों में 12 मिनट का ब्लैक आउट किया गया था। इसी दिन भारत ने पाकिस्तान के नौ स्थानों पर आँपरेशन सिंदूर के चलते एपर स्टॉप की थी। जिसमें सौ से अधिक आतंकवादी मारे गए थे। जाहिर है कि यह मांकड़िल बताती है कि भारत-पाकिस्तान को यह संदेश भी देना चाहता है कि वह अभी भी युद्ध मोड़ में है और किसी भी दुसरास हक्क का जवाब देने के लिए भारतीय सेना व भारतीय लाग पूरी तरह मुस्तैद हैं। सरकार ने जित तरह देश में तीनों सेनाओं के जवानों पर अब एक ही अधिकारी एक्सरन ले सकने का नोटिफिकेशन जारी किया है, यह बताने के लिए काफी है कि भारत अब अपनी सेना का बेहतु चुस्त-दुरुस्त कर रहा है। अब एक सेना का अधिकारी ही तीनों सेनाओं वायु, थल और सेनाओं को निर्देश दे सकता। जाहिर है इससे समय में बेहतु कमी आएगी और सेना को एक जुट होकर कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। 27 मई से इंटरसर्विस आर्मीनाइजेशन नियम लागू कर दिया गया है। इस नए कानून बनने से इंटरसर्विस आर्मीनाइजेशन के तहत एक कमांडर इन चीफ/ऑफिसर इन कमांड की नियुक्ति होगी। यह कानून 15 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद बन गया था और 10 मई 2024 से लागू किया गया। जाहिर है इससे हमारी सेना को एक जुट खेने में बड़ी मदद मिलेगी। असल में हमारा पड़ासी पाकिस्तान एक ऐसा देश है, जिस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। जब तक वह आतंकवाद से अपने आपको अलग नहीं रखता और उनको संरक्षण देना बंद नहीं करता है। भारत ने आपरेशन सिंदूर इसलिए शुरू किया, जोकि पाकिस्तान ने पहली गांधीजी के अपार। ध्यानों की खिलाफ काई कार्रवाई नहीं की थी, भारत को 1989 से लालों का सामना करना पड़ा है और यह स्थिति अब और बद्दल नहीं की जा सकती, अंतर्राष्ट्रीय समूहों अपार। ध्यानों की खिलाफ काई कार्रवाई करें।

अकेले शांति से जीना चाहता है भारत

भारत अकेले शांति से जीना चाहता है, लेकिन पाकिस्तान ऐसा नहीं होने देता, भारत युद्ध नहीं चाहता था, लेकिन आतंकवादियों को सजा दिए बिना नहीं छोड़ा जा सकता, पाकिस्तान लालों और भारत के खिलाफ आतंकी हमलों को बदाना दे रहा है, भारत ने आपरेशन सिंदूर इसलिए शुरू किया, जोकि पाकिस्तान ने पहली गांधीजी के अपार। ध्यानों की खिलाफ काई कार्रवाई नहीं की थी, भारत को 1989 से लालों का सामना करना पड़ा है और यह स्थिति अब और बद्दल नहीं की जा सकती, अंतर्राष्ट्रीय समूहों अपार। ध्यानों की खिलाफ काई कार्रवाई करें।

-शशि शर्मा
पूर्व विदेश मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता

